2016

M. A.

3rd Semester Examination

HINDI

Paper – HIN-302

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : 12×2

क) कहानी कला की दृष्टि से 'कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

ख) 'पिता' कहानी के माध्यम से बदलते पारिवारिक संबंधों पर प्रकाश डालिए ।

(ग) 'भेड़िया' कहानी की अंतर्वस्तु की विवेचना कीजिए ।

घ) ''ओमप्रकाश वाल्मीकि दलित-जीवन के यथार्थ के चित्रकार हैं ।'' 'सलाम' कहानी के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए ।

(Turn Over)

2. किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

क) उसके मुख पर मौत की भीषण छाया नाच रही थी और वह जिंदगी से जोंक की तरह चिमटा था—लेकिन जोंक वह था या जिंदगी? वह जिंदगी का खून-चूस रहा था या जिंदगी उसका?—मैं तय न कर पाया ।

ख) मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे । वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वे बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़कर उमड़ आये हों ।

ग) बहुत पुरानी अखज-अदावट होगी दारोगा साहब और मुनीम जी में । नहीं तो उतना रुपया कबूलने पर भी पुलिस-दारोगा का मन न डोले भला! चार हजार तो गाड़ी पर बैठा-बैठा ही दे रहा था ।

घ) तुम भी एक ही मूर्खा हो! घर से दूर, यहाँ कमरा लेकर अकेली रहती हो, रिसर्च कर रही हो, दुनिया-भर में घूमती-फिरती हो और इंटरव्यू के नाम से डर लगता है!

ङ) मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है । जन्म-भर की घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं । सारे दृश्यों के रंग साफ हो जाते हैं; समय की धुंध बिल्कुल उन पर से हट जाती है ।

—o—